hindustantimes

Font Size D'load Image Image Text

# KHADI EXHIBITION AT BAVDHAN

**PUNE:** Suryadatta Institute of Fashion Technology's (SIFT) annual exhibition titled Spark 2020 will be held from February 9-11 at the institute's Bavdhan campus. The exhibition will be inaugurated on February 8. This year, the students will celebrate the 150th birth anniversary of Mahatma Gandhi. Hence, the theme for the exhibition is 'Khadi: from swadeshi to videshi'. This exhibition will consist of 1,000 hand crafted articles made by students using Khadi fabric.

नवभारत

सूर्यदत्ता इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नॉलॉजी की ओर से

# 9 से 11 फरवरी तक हस्तकला प्रदर्शनी 'स्पार्क'

संवाददाता

**पुणे.** सूर्यदत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एसआईएफटी) की ओर से खादी को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेश से विदेश तक'' संकल्पना पर आधारित 'स्पार्क 2020' हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है. प्रदर्शनी का यह नौवां साल है. इस साल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खादी पर आधारित अलग-अलग वस्तुओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है. बावधन के सूर्यदत्ता कैम्पस में 9 से 11 फरवरी तक यह प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक सबके लिए खुली होगी.

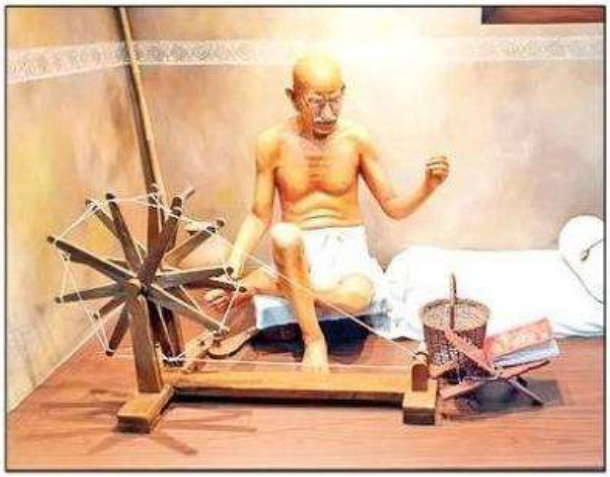

## स्थानीय कारीगरों को किया प्रोत्साहित

■ खादी के धागे के साथ पर्यावरण, व्यवस्था और समाज के धागे बुनकर राष्ट्र की रचना करने में युवकों को योगदान देना चाहिए, यह इस प्रदर्शनी के आयोजन के पीछे का उद्देश्य है. खादी के महत्व को सब तक पहुंचाने के लिए खादी संकल्पना पर आधारित अलग-अलग वस्तुएं तैयार की गई हैं. गांधी को अभिवादन करने के लिए प्रदर्शनी स्थल पर महात्मा गांधी चरखा पर सूत बना रहे हैं, ऐसी प्रतिकृति तैयार की जाएगी.

■ डॉ. संजय चोरडिया ने कहा कि बीसवीं शताब्दी के पहले दो दशकों के दौरान, महात्मा गांधी ने खादी आंदोलन का किया था. इस आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं के उपयोग को छोड़ने और स्वदेशी वस्तुओं, साथ ही स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया.

*यह आंदोलन गांव के छोटे व्यापारियों को सहूलियत देने के साथ-साथ महंगे विदेशी कपड़ों का बहिष्कार करने में सहायक रहा. ब्रिटिशों के खिलाफ महात्मा गांधीजी ने असहकार और खादी आंदोलन सफलता पूर्वक किया था. महात्मा गांधीजी के 150 वी जयंती के अवसर पर खादी कारागिरो को प्रोसाहित करने के लिए और खादी का प्रचार करना इस प्रदर्शनी का मुख्य हेतु है.*

## छात्रों की बनाई 1000 से अधिक वस्तुएं होंगी पेश

एसआयएफटी की संचालिका प्रा. रेणुका घोसपुरकर ने कहा कि शनिवार (8 फरवरी) को शाम 5 बजे इस प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा. प्रा. रेणुका घोसपुरकर ने कहा कि संस्था के संस्थापक अध्यक्ष प्रा. डॉ. संजय चोरडिया के मार्गदर्शन में फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने पाठ्यक्रम के तहत बनाई गई कलात्मक वस्तुओं की प्रदर्शनी का हरसाल आयोजन किया जाता है. महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 'एसआयएफटी' के छात्रों ने खादी का प्रचार और प्रसार करने के लिए खादी से बानायी गई वस्तुएं प्रदर्शनी में रखी गयी हैं.

1000 से ज्यादा चीजें प्रदर्शनी में देखने के लिए मिलेंगी. यह वस्तुएं कम दाम में ख़रीदी जा सकती हैं. देशभर और विश्व स्तर पर खादी के कपडो को पुनरुज्जीवन करने के उद्देश्य से हाथ से बनाई गई व बुने हुये कपडो को प्रोत्साहन देने के लिए सूर्यदत्ता ने यह पहल की है. छात्रो ने पर्यावरण पूरक चीजों का इस्तेमाल कर यह चीजे बनायी हैं. कई छोटे टुकड़ों को जोडकर वस्तुओं को बनाया गया है. खादी सिर्फ एक कपड़ा नहीं है, यह एक विचार है. कॉलेज के छात्रों को इस विचार को अपने काम में लाना चाहिए.

Pune Edition
Jan 25, 2020 Page No. 4

नवराष्ट्र

### विद्यार्थ्यांनी बनविलेल्या वस्तूंच्या हस्तकलेचे प्रदर्शन

# 'स्पार्क' वार्षिक प्रदर्शनाचे आयोजन

**पुणे :** सूर्यदत्ता ग्रुप ऑफ इन्स्टिटयूट संचालित सूर्यदत्ता इन्स्टिटयूट ऑफ फॅशन टेक्नॉलॉजीच्या खादीला प्रोत्साहन देण्यासाठी 'स्वदेशाकडून विदेशाकडे' या संकल्पनेवर आधारित 'स्पार्क २०२०' या हस्तकला प्रदर्शनाचे आयोजन करण्यात आले आहे. यंदा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यांच्या १५० व्या जयंतीचे औचित्य साधून खादीवर आधारित विविध वस्तूंचे प्रदर्शन आयोजिले आहे. बावधन येथील 'सूर्यदत्ता'च्या कॅम्पसमध्ये दि. ९ ते ११ फेब्रुवारी या कालावधीत हे प्रदर्शन भरणार आहे. हे प्रदर्शन सकाळी १० ते रात्री ८ वाजेपर्यंत सर्वांसाठी खुले असणार आहे, अशी माहिती 'एसआयएफटी'च्या संचालिका प्रा. रेणुका घोसपुरकर यांनी दिली आहे.

## वस्तू माफक दरामध्ये खरेदी करता येणार

■ प्रा. रेणुका घोसपुरकर म्हणाल्या, संस्थेचे संस्थापक अध्यक्ष प्रा. डॉ. संजय चोरडिया यांच्या मार्गदर्शनाखाली फॅशन टेक्नॉलॉजीच्या विद्यार्थ्यांनी अभ्यासक्रमांतर्गत बनवलेल्या नाविन्यपूर्ण वस्तूंच्या प्रदर्शनाचे दरवर्षी आयोजन केले जाते.

■ महात्मा गांधीजींची १५० वी जयंती असल्याने 'एसआयएफटी'च्या विद्यार्थ्यांनी यावर्षी खादीचा प्रचार आणि प्रसार व्हावा, तसेच खादीचे महत्व सर्वांपर्यंत पोहचावे यासाठी खादी संकल्पनेवर आधारित विविध वस्तू तयार केल्या आहेत.

■ गांधीजींना अभिवादन करण्यासाठी प्रदर्शनस्थळी महात्मा गांधी चरख्यावर सूत कातत असतानाची प्रतिकृती उभारण्यात येणार आहे. जवळपास १००० वस्तू या प्रदर्शनात मांडण्यात येणार

डॉ. संजय चोरडिया म्हणाले, विसाव्या शतकाच्या पहिल्या दोन दशकांत महात्मा गांधींनी खादीची चळवळ राबवली. त्यातून विदेश वस्तूंच्या वापराबाबत बहिष्कार घातला आणि स्वदेशी वस्तुंना, तसेच स्थानिक कारागिरांना प्रोत्साहन दिले.

Pune Plus Edition
Jan 25, 2020 Page No. 2

नवराष्ट्र

## विद्यार्थ्यांनी बनविलेल्या वस्तूंच्या हस्तकलेचे प्रदर्शन

# 'स्पार्क' वार्षिक प्रदर्शनाचे आयोजन

**पुणे** : सूर्यदत्ता ग्रुप ऑफ इन्स्टिटयूट संचालित सूर्यदत्ता इन्स्टिटयूट ऑफ फॅशन टेक्नॉलॉजीच्या खादीला प्रोत्साहन देण्यासाठी 'स्वदेशाकडून विदेशाकडे' या संकल्पनेवर आधारित 'स्पार्क २०२०' या हस्तकला प्रदर्शनाचे आयोजन करण्यात आले आहे. यंदा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यांच्या १५० व्या जयंतीचे औचित्य साधून खादीवर आधारित विविध वस्तूंचे प्रदर्शन आयोजिले आहे. बावधन येथील 'सूर्यदत्ता'च्या कॅम्पसमध्ये दि. ९ ते ११ फेब्रुवारी या कालावधीत हे प्रदर्शन भरणार आहे. हे प्रदर्शन सकाळी १० ते रात्री ८ वाजेपर्यंत सर्वांसाठी खुले असणार आहे, अशी माहिती 'एसआयएफटी'च्या संचालिका प्रा. रेणुका घोसपुरकर यांनी दिली आहे.

### वस्तू माफक दरामध्ये खरेदी करता येणार

■ प्रा. रेणुका घोसपुरकर म्हणाल्या, संस्थेचे संस्थापक अध्यक्ष प्रा. डॉ. संजय चोरडिया यांच्या मार्गदर्शनाखाली फॅशन टेक्नॉलॉजीच्या विद्यार्थ्यांनी अभ्यासक्रमांतर्गत बनवलेल्या नाविन्यपूर्ण वस्तूंच्या प्रदर्शनाचे दरवर्षी आयोजन केले जाते.

■ महात्मा गांधीजींची १५० वी जयंती असल्याने 'एसआयएफटी'च्या विद्यार्थ्यांनी यावर्षी खादीचा प्रचार आणि प्रसार व्हावा, तसेच खादीचे महत्व सर्वांपर्यंत पोहचावे यासाठी खादी संकल्पनेवर आधारित विविध वस्तू तयार केल्या आहेत.

■ गांधीजींना अभिवादन करण्यासाठी प्रदर्शनस्थळी महात्मा गांधी चरख्यावर सूत कातत असतानाची प्रतिकृती उभारण्यात येणार आहे. जवळपास १००० वस्तू या प्रदर्शनात मांडण्यात येणार

डॉ. संजय चोरडिया म्हणाले, विसाव्या शतकाच्या पहिल्या दोन दशकांत महात्मा गांधींनी खादीची चळवळ राबवली. त्यातून विदेश वस्तूंच्या वापराबाबत बहिष्कार घातला आणि स्वदेशी वस्तुंना, तसेच स्थानिक कारागिरांना प्रोत्साहन दिले.

Pune Plus Edition
Jan 25, 2020 Page No. 2

# सूर्यदत्ता में हस्तकला प्रदर्शनी 9 से

■ प्रवासी संदेश टीम।

**पुणे।** वैश्विक स्तर पर अपनी विविध शैक्षिक गतिविधियों के लिए विख्यात पुणे के सूर्यदत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एसआईएफटी) द्वारा खादी को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेश से विदेश तक' की संकल्पना पर आधारित 'स्पार्क-2020' हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खादी आधारित विभिन्न वस्तुओं-उत्पादों की प्रदर्शनी का यह 9वां वर्ष है, जो कि यहां के बावधन स्थित सूर्यदत्ता कैंपस में आगामी 9 से 11 फरवरी तक आयोजित होगा। यह प्रदर्शनी प्रातः 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक सभी के लिए खुली रहेगी। प्रतिदिन देश-विदेश की मशहूर सख्शियतें व मॉडल्स आदि भी आयोजन में शामिल होंगी। सूर्यदत्ता

ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष डॉ संजय चोरड़िया ने बताया कि खादी कारीगरों को प्रोत्साहित करने एवं उत्पादों को प्रचारित करने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीसवीं शताब्दी के पहले दो दशकों के दौरान महात्मा गांधी ने खादी आंदोलन किया था, इस आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं के उपयोग को छोड़ने व स्वदेशी वस्तुओं तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया था। डॉ.संजय ने बताया कि खादी सिर्फ एक कपड़ा ही नहीं, यह एक विचार है। कॉलेज के होनहार छात्रों ने इस विचार को अंगीकार करते हुए हमारी इस अनूठी पहल को बरकरार रखा है। उन्होंने यह भी बताया कि खादी के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के लिए खादी की संकल्पना पर आधारित अलग-अलग वस्तुएं तैयार की गई है। साथ ही गांधीजी का अभिवादन करने के लिए प्रदर्शनी स्थल पर महात्मा गांधी के चरखा पर सूत बनाते हुए की प्रतिकृति भी तैयार की गई है। एसआईएफटी की संचालिका प्रो. रेणुका घोसपुरकर ने बताया कि आगामी 8 फरवरी की शाम को 5 बजे उद्घाटित होने वाली इस प्रदर्शनी में एसआईएफटी के विद्यार्थियों द्वारा खादी के प्रचार-प्रसार के तहत एक हजार से अधिक तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉ संजय चोरड़िया के मार्गदर्शन में फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने पाठ्यक्रम के तहत बनाई गई कलात्मक वस्तुएं प्रदर्शित होंगी।

# टुकड़े-टुकड़े गैंग के टुकड़े राष्ट्रीय एकता से ही संभव : सुमन

**गोवा।** राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी, विश्व हिंदु परिषद एवं विप्र फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस पर यहां एयरपोर्ट के समीप डाबोलिम में हर्षोल्लास से ध्वजारोहण किया गया। मां भारती के छायाचित्र के समक्ष दीप रोशन कर व माल्यार्पण कर राष्ट्रीय एकता का संकल्प भारत माता के जयकारों के साथ लिया गया। कार्यक्रम में वाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष अविनाश तिवारी, महिला विंग की अध्यक्ष सुमन शर्मा, विप्र फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष निखिल शर्मा व परिषद के अध्यक्ष विनय दोडमनि के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान सुमन शर्मा ने अपने संबोधन में आजाद देश में टुकड़े-टुकड़े गैंग को करारा जवाब देने के लिए राष्ट्रप्रेम के साथ एकजुटता की भी नितांत आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परस्पर समन्वय,

प्रेम और सौहार्द हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। सुमन ने कहा कि हमारी इसी विरासत को सहेजते हुए संकीर्ण मानसिकता को त्यागते हुए श्रेष्ठ और उज्ज्वल भारत के निर्माण के लिए संकल्पित होना होगा। कार्यक्रम में वाहिनी के प्रदेश प्रभारी नारायण पांडेय, कमलेश तिवारी, अजय लांबा, संदीप पंवार सहित अनेक वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। साथ ही महिलाओं एवं युवाओं ने जोशीले अंदाज में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत गीतों क्रमशः ये देश है वीर जवानों का.., सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तान हमारा.., झंडा ऊंचा रहे हमारा सहित वंदे मातरम-जय हिंद के नारों को गुंजायमान किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अविनाश तिवारी ने सभी का धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

# सूर्यदत्ता में 9 फरवरी से हस्तकला प्रदर्शनी 'स्पार्क–2020'

**पुणे, 29 जनवरी (एजेंसियां)।** वैश्विक स्तर पर अपनी विविध शैक्षिक गतिविधियों के लिए विख्यात पुणे के सूर्यदत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एसआईएफटी) द्वारा खादी को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेश से विदेश तक' की संकल्पना पर आधारित 'स्पार्क–2020' हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खादी आधारित विभिन्न वस्तुओं–उत्पादों की प्रदर्शनी का यह नौवां वर्ष है, जो कि यहां के बावधन स्थित सूर्यदत्ता कैंपस में 9 से 11 फरवरी तक आयोजित होगा। यह प्रदर्शनी प्रातः 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक सभी के लिए खुली रहेगी। प्रतिदिन देश–विदेश की मशहूर सख्शियतें व मॉडल्स आदि भी आयोजन में शामिल होंगी। सूर्यदत्ता ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष डॉ संजय चोरड़िया ने

बताया कि खादी कारीगरों को प्रोत्साहित करने एवं उत्पादों को प्रचारित करने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीसवीं शताब्दी के पहले दो दशकों के दौरान महात्मा गांधी ने खादी आंदोलन किया था, इस आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं के उपयोग को छोड़ने व स्वदेशी वस्तुओं तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया था। डॉ.संजय ने बताया कि खादी सिर्फ एक कपड़ा ही नहीं, यह एक विचार है। कॉलेज के होनहार छात्रों ने इस विचार को अंगीकार करते हुए हमारी इस अनूठी पहल को बरकरार रखा है। उन्होंने यह भी बताया कि खादी के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के लिए खादी की संकल्पना पर आधारित अलग–अलग वस्तुएं तैयार की गई है। साथ ही गांधीजी का अभिवादन करने के लिए प्रदर्शनी स्थल पर महात्मा गांधी के चरखा पर सूत बनाते हुए की प्रतिकृति भी तैयार की गई है। एसआईएफटी की संचालिका प्रो. रेणुका घोसपुरकर ने बताया कि शनिवार 8 फरवरी की शाम को 5 बजे उद्घाटित होने वाली इस प्रदर्शनी में एसआईएफटी के विद्यार्थियों द्वारा खादी के प्रचार–प्रसार के तहत एक हजार से अधिक तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉ संजय चोरड़िया के मार्गदर्शन में फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने पाठ्यक्रम के तहत बनाई गई कलात्मक वस्तुएं प्रदर्शित होंगी।

मुख्य संस्करण
30 जनवरी, 2020 पृष्ठ संख्या 9

# सूर्यदत्ता में हस्तकला प्रदर्शनी 'स्पार्क-2020' 9 फरवरी से

**(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)**

**पुणे।** वैश्विक स्तर पर अपनी विविध शैक्षिक गतिविधियों के लिए विख्यात पुणे के सूर्यदत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एसआईएफटी) द्वारा खादी को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेश से विदेश तक' की संकल्पना पर आधारित 'स्पार्क2020' हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खादी आधारित विभिन्न वस्तुओंउत्पादों की प्रदर्शनी का यह नौवां वर्ष है, जो कि यहां के बावधन स्थित सूर्यदत्ता कैंपस में 9 से 11 फरवरी तक आयोजित होगा। यह प्रदर्शनी प्रातः 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक सभी के लिए खुली रहेगी। प्रतिदिन देशविदेश की मशहूर सख्शियतें व मॉडल्स आदि भी आयोजन में शामिल होंगी। सूर्यदत्ता ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष डॉ संजय चोरड़िया ने बताया कि खादी कारीगरों को प्रोत्साहित करने एवं उत्पादों को प्रचारित करने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीसवीं शताब्दी के पहले दो दशकों के दौरान महात्मा गांधी ने खादी आंदोलन किया था, इस आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं के

उपयोग को छोड़ने व स्वदेशी वस्तुओं तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया था। डॉ.संजय ने बताया कि खादी सिर्फ एक कपड़ा ही नहीं, यह एक विचार है। कॉलेज के होनहार छात्रों ने इस विचार को अंगीकार करते हुए हमारी इस अनूठी पहल को बरकरार रखा है। उन्होंने यह भी बताया कि खादी के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के लिए खादी की संकल्पना पर आधारित अलग अलग वस्तुएं तैयार की गई है। साथ ही गांधीजी का अभिवादन करने के लिए प्रदर्शनी स्थल पर महात्मा गांधी के चरखा पर सूत बनाते हुए की प्रतिकृति भी तैयार की गई है। एसआईएफटी की संचालिका प्रो. रेणुका घोसपुरकर ने बताया कि शनिवार 8 फरवरी की शाम को 5 बजे उद्घाटित होने वाली इस प्रदर्शनी में एसआईएफटी के विद्यार्थियों द्वारा खादी के प्रचारप्रसार के तहत एक हजार से अधिक तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉ संजय चोरड़िया के मार्गदर्शन में फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने पाठ्यक्रम के तहत बनाई गई कलात्मक वस्तुएं प्रदर्शित होंगी।

**आपको अपनी उंगलियों पर नचाने आ गए कार्तिक और सारा अली**

**नई दिल्ली।** सारा अली खान और कार्तिक आर्यन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'लव आजकल' का दूसरा सॉन्ग 'हां मैं गलत' आज रिलीज़ कर दिया गया है। 'हां मैं गलत' डांसिंग सॉन्ग है जिसमें सारा और कार्तिक मस्ती से डांस करते नजर आ रहे हैं। सारा और कार्तिक का डांस देखकर आपको भी डांस करने का मन करने लगेगा। इस गाने में सैफ अली खान के सॉन्ग 'एंड वी ट्विस्ट' गाने का थोड़ा-सा म्यूजिक डाला गया है जो गाने में चार चांद लगा रहा है।

## बॉलीवुड न्यूज

### कंगना रनोट को फूल भेजने पर रंगोली के रिप्लाई पर आलिया ने कहा- जो कहना है कहो

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट इन दिनों अपनी फिल्म 'पंगा' और असल जिंदगी में अपने 'पंगों' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच, उन्हें पद्मश्री से सम्मानित करने की घोषणा की गई, जिसके बाद वो फिर खबरों में आ गईं। कंगना का नाम पद्मश्री के लिए चयन होने के बाद बहुत लोगों ने उन्हें बधाई दी, लेकिन इसमें आलिया भट्ट की ओर से दी शुभकामनाएं खबरों में आ गई हैं। दरअसल, आलिया भट्ट ने पद्मश्री के ऐलान के बाद कंगना रनोट को फूल भेजे थे और शुभकामनाएं दी थी। इसके बाद कंगना की बहन रंगोली ने आलिया के फूल पर डिफरेंट स्टाइल से रिएक्ट किया, जिसे कई लोग ठीक भी नहीं मान रहे हैं। रंगोली ने आलिया की ओर से भेजे गए फूल की फोटो ट्वीट करते हुए लिखा- ये देखो आलिया जी ने भी कंगना को फूल भेजे हैं, कंगना को पता नहीं मगर मुझे बहुत मजा आ रहा है। इसके बाद आलिया ने

# सूर्यदत्ता में हस्तकला प्रदर्शनी 'स्पार्क-2020' 9 फरवरी से

**महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर एसआईएफटी का नौंवा आयोजन**

**पुणे।** वैश्विक स्तर पर अपनी विविध शैक्षिक गतिविधियों के लिए विख्यात पुणे के सूर्यदत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एसआईएफटी) द्वारा खादी को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेश से विदेश तक' की संकल्पना पर आधारित 'स्पार्क-2020' हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खादी आधारित विभिन्न वस्तुओं-उत्पादों की प्रदर्शनी का यह नौवां वर्ष है, जो कि यहां के बावधन स्थित सूर्यदत्ता कैंपस में 9 से 11 फरवरी तक आयोजित होगा। यह प्रदर्शनी प्रात: 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक सभी के लिए खुली रहेगी। प्रतिदिन देश-विदेश की मशहूर सख्शियतें व मॉडल्स आदि भी आयोजन में शामिल होंगी। सूर्यदत्ता ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष डॉ संजय चोरड़िया ने बताया कि खादी कारीगरों को प्रोत्साहित करने एवं उत्पादों को प्रचारित करने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीसवीं शताब्दी के पहले दो दशकों के दौरान महात्मा गांधी ने खादी आंदोलन किया था, इस आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं के उपयोग को छोड़ने व स्वदेशी वस्तुओं तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया था। डॉ.संजय ने बताया कि खादी सिर्फ एक कपड़ा ही नहीं, यह एक विचार है। कॉलेज के होनहार छात्रों ने इस विचार को अंगीकार करते हुए हमारी इस अनूठी पहल को बरकरार रखा है।

उन्होंने यह भी बताया कि खादी के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के लिए खादी की संकल्पना पर आधारित अलग-अलग वस्तुएं तैयार की गई है। साथ ही गांधीजी का अभिवादन करने के लिए प्रदर्शनी स्थल पर महात्मा गांधी के चरखा पर सूत बनाते हुए की प्रतिकृति भी तैयार की गई है। एसआईएफटी की संचालिका प्रो. रेणुका घोसपुरकर ने बताया कि शनिवार 8 फरवरी की शाम को 5 बजे उद्घाटित होने वाली इस प्रदर्शनी में एसआईएफटी के विद्यार्थियों द्वारा खादी के प्रचार-प्रसार के तहत एक हजार से अधिक तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉ संजय चोरड़िया के मार्गदर्शन में फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने पाठ्यक्रम के तहत बनाई गई कलात्मक वस्तुएं प्रदर्शित होंगी।

# सूर्यदत्ता में हस्तकला प्रदर्शनी 'स्पार्क-2020' 9 फरवरी से

## गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर एसआईएफटी का 9वां आयोजन

टाइम्स ऑफ ब्लू सिटी

**पुणे।** वैश्विक स्तर पर अपनी विविध शैक्षिक गतिविधियों के लिए विख्यात पुणे के सूर्यदत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एसआईएफटी) द्वारा खादी को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेश से विदेश तक' की संकल्पना पर आधारित 'स्पार्क-2020' हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खादी आधारित विभिन्न वस्तुओं-उत्पादों की प्रदर्शनी का यह नौवां वर्ष है, जो कि यहां के बावधन स्थित सूर्यदत्ता कैंपस में 9 से 11 फरवरी तक आयोजित होगा। यह प्रदर्शनी प्रात: 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक सभी के लिए खुली रहेगी। प्रतिदिन देश-विदेश की मशहूर सख्शियतें व मॉडल्स आदि भी आयोजन में शामिल होंगी।

सूर्यदत्ता ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष डॉ संजय चोरड़िया ने बताया कि खादी कारीगरों को प्रोत्साहित करने एवं उत्पादों को प्रचारित करने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है।

उन्होंने बताया कि बीसवीं शताब्दी के पहले दो दशकों के दौरान महात्मा गांधी ने खादी आंदोलन किया था, इस आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं के उपयोग को छोड़ने व स्वदेशी वस्तुओं तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया था। डॉ.संजय ने बताया कि खादी सिर्फ एक कपड़ा ही नहीं, यह एक विचार है।

कॉलेज के होनहार छात्रों ने इस विचार को अंगीकार करते हुए हमारी इस अनूठी पहल को बरकरार रखा है। उन्होंने यह भी बताया कि खादी के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के लिए खादी की संकल्पना पर आधारित अलग-अलग वस्तुएं तैयार की गई है। साथ ही गांधी का अभिवादन करने के लिए प्रदर्शनी स्थल पर महात्मा गांधी के चरखा पर सूत बनाते हुए की प्रतिकृति भी तैयार की गई है। एसआइएफटी की संचालिका प्रो. रेणुका घोसपुरकर ने बताया कि शनिवार 8 फरवरी की शाम को 5 बजे उद्घाटित होने वाली इस प्रदर्शनी में एसआईएफटी के विद्यार्थियों द्वारा खादी के प्रचार-प्रसार के तहत एक हजार से अधिक तैयार उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डॉ संजय चोरड़िया के मार्गदर्शन में फैशन टेक्नोलॉजी के छात्रों ने पाठ्यक्रम के तहत बनाई गई कलात्मक वस्तुएं प्रदर्शित होंगी।

# बबली राम पी-एच.डी

टाइम्स ऑफ ब्लू सिटी

**जोधपुर।** जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थी बबली राम बैरवा को पी-एच.डी की उपाधि प्रदान की गई। बबली राम ने अपना शोध कार्य राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, सिंडिकेट सदस्य व सांयकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) सोहनलाल मीना के निर्देशन में 'सरदार पटेल का राजनीतिक एवं प्रशासनिक नेतृत्व : भारत की स्वतंत्रता एवं एकीकरण के संदर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर पूर्ण किया

# सूर्यदत्ता में हस्तकला प्रदर्शनी स्पार्क 2020, 9 फरवरी से

## महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर एसआईएफटी का नौंवा आयोजन

पुणे। वैश्विक स्तर पर अपनी विविध शैक्षिक गतिविधियों के लिए विख्यात पुणे के सूर्यदत्ता इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एसआईएफटी) द्वारा खादी को बढ़ावा देने के लिए 5स्वदेश से विदेश तक की संकल्पना पर आधारित 5स्पार्क2020 हस्तकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर खादी आधारित विभिन्न वस्तुओंउत्पादों की प्रदर्शनी का यह नौवां वर्ष है, जो कि यहां के बावधन स्थित सूर्यदत्ता कैंपस में 9 से 11 फरवरी तक आयोजित होगा। यह प्रदर्शनी प्रात: 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक सभी के लिए खुली रहेगी। प्रतिदिन देशविदेश की मशहूर सख्शियतें व मॉडल्स आदि भी आयोजन में शामिल होंगी। सूर्यदत्ता ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष डॉ संजय चोरड़िया ने बताया कि खादी कारीगरों को प्रोत्साहित करने एवं उत्पादों को प्रचारित करने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीसवीं शताब्दी के पहले दो दशकों के दौरान महात्मा गांधी ने खादी आंदोलन किया था, इस आंदोलन ने विदेशी वस्तुओं के उपयोग को छोड़ने व स्वदेशी वस्तुओं तथा स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित किया था। डॉ.संजय ने बताया कि खादी सिर्फ एक कपड़ा ही नहीं, यह एक विचार है। कॉलेज के होनहार छात्रों ने इस विचार को अंगीकार करते हुए हमारी इस अनूठी पहल को बरकरार रखा है। उन्होंने यह भी बताया कि खादी के महत्व को आमजन तक पहुंचाने के लिए खादी की संकल्पना पर आधारित अलगअलग वस्तुएं तैयार की गई है। साथ ही गांधीजी का अभिवादन करने के लिए प्रदर्शनी स्थल पर महात्मा गांधी के चरखा पर सूत बनाते हुए की प्रतिकृति भी तैयार की गई है।